लॉकडाउन बढ़ा तो महंगाई, रोजमर्रा की चीजों पर पड़ेगा असर

रांची। कोरोना महामारी से निपटने के लिए 17 दिनों से राज्य में लॉकडाउन जारी है। खाद्य आपूर्ति बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा कई स्तरों पर प्रयास किया जा रहा है। इधर, केंद्र सरकार द्वारा लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने का इशारा भी मिला है जिसके बाद खुदरा व्यापारी फिर से जरूरी सामानों का स्टॉक करने लगे हैं। व्यापारियों का मानना है कि रोजमर्रा की चीजें जैसे आटा, चावल, दाल, बिस्कुट और तेल आदि की किल्लत हो सकती है। वहीं लॉकडाउन की अवधि बढ़े पर सप्लाई कम होने की आशंका जताई जा रही है। इससे महंगाई बढ़ सकती है। अभी की स्थिति देखें तो चावल-दाल से लेकर रिफाइन तेल तक के दाम में 26 मार्च से लेकर 10 अप्रैल तक में वृद्धि देखी गयी है। 26 मार्च को 35 रुपये बिकने वाला चावल 10 अप्रैल को 40 रुपये प्रतिकिलो हो गया।

योगदा सत्संग ने नौ गांवों के लोगों के बीच चलाया सहायता शिविर

कोरोना बंदी से प्रभावित जरूरतमंद डेढ़ हजार से अधिक ग्रामीणों को दी समुचित सामग्री

रांची। विश्वव्यापी अत्यंत घातक महामारी कोविड 19 के कारण भारत में चल रहे लॉकडाउन के कारण दैनिक उपयोग की सामग्री से वंचित डेढ़ हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों की जरूरतें पूरी करने की नीयत से योगदा सत्संग आश्रम रांची ने शनिवार को शिविरों का आयोजन किया। आश्रम सूत्रों के अनुसार यह आयोजन जोमैटो फिडिंग इंडिया नामक एनजीओ की सहभागिता में किया गया।

आश्रम की ओर से नामकोम प्रखंड स्थित लीची बगान, हरिजन कालोनी और नीचे, टोला में 350 परिवारों के बीच सहायता सामग्री के पैकेट बनाकर वितरण किया गया। इन ग्रामीणों के बीच कुल जमा 700 किलो आलू, 700 किलो प्याज, 175, लीटर सरसों

तेल, 700 नहाने और कपड़े धोने के साबुन तथा 500 मास्क का वितरण, किया गया। सहायता शिविर में डॉ पवन वर्णवाल ने ग्रामीणों को कम से कम एक मीटर शारीरिक दूरी बनाकर रहने और हर घंटे साबुन से हाथ धोने, मास्क पहनकर, चलने और अन्य सुरक्षात्मक उपाय बताया। सहायता शिविर में भी ग्रामीणों को चॉक का घेरा बनाकर एक-एक मीटर की दूरी पर खड़ा किया गया और बताया गया कि घर से बाहर निकलने पर ऐसा ही करना आवश्यक है। दूसरा किंतु बड़ा सहायता शिविर जोन्हा के निकट लगाया गया। इस शिविर में गुरीडीह पंचायत के छह गांवों के 1,200 ग्रामीण परिवारों को अपेक्षित सामग्री दी गई।

को इक्ट्ठा कर कांग्रेस विधायक ने बांटे रुपए

कोरोना संक्रमित बुजुर्ग की